हरिभूमि

गुना-राजगढ़-अशोकनगर भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, गुरुवार 22 अक्टूबर 2026

राधौगढ़ | मुंगावली | आरोन | चाचौड़ा | कुंभराज | ब्यावरा | सारंगपुर | नरसिंहगढ़ | खिलचीपुर | जीरापुर | चंदेरी | नईसराय | ईसागढ़

04 श्रद्धा और उल्लास के साथ माता रानी को दी विदाई, पार्वती नदी में हुआ...



07 झांकियों में सजी देवी मां को विसर्जन के दिन नम आंखों से विदाई दी गई



समाचार संक्षेप

21वीं सदी के सामाजिक भेदभाव की थीम पर बनाया गया रावण



गुना। परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी गुना की कोकाटे कॉलोनी में रावण दहन का भव्य आयोजन किया गया। इस बार कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि रावण को 21वीं सदी में व्याप्त सामाजिक भेदभाव की थीम पर तैयार किया गया था। रावण के दस सिरों को जातिगत भेदभाव, लैंगिक भेदभाव, रंगभेद, आर्थिक भेदभाव सहित समाज में व्याप्त अन्य भेदभावों के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया। साथ ही इन भेदभावों को समाप्त करने के उपायों को 'हमारे अस्त्र' के रूप में दर्शाते हुए एक विशेष पोस्टर भी प्रदर्शित किया गया, जिसने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम का आयोजन मेघा रघुवंशी, अनुजा श्रीवास्तव, राशि शर्मा, शिवाजी सुर्वे, मयंक पांडेय, हर्ष तिखे, रवि शर्मा, हर्षित शर्मा, भूरा सेन, मृदुल राठौर, अनुराग सेंगर, मोहित शर्मा, पीयूष जैन, शुभम चौहान आदि के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर कॉलोनी के सभी निवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और समाज को जागरूक करने के इस अनूठे प्रयास की सराहना की।

खेत के रास्ते में गड्ढे खोदने को लेकर खूनी संघर्ष, पिता-पुत्र पर बोला हमला

गुना। जिले के आरोन थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले रामपुर गांव में खेतों के रास्ते से ट्रैक्टर निकालने को लेकर हुए विवाद में दबंगों ने पिता-पुत्र के साथ जमकर मारपीट कर दी। आरोपियों ने बीच-बचाव करने आए परिजनों को भी नहीं बख्शा और जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार, फरियादी अनिल चौरसिया ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने पिता कोमल चौरसिया के साथ गांव के ही गोरेलाल रजक के गिरवी रखे खेत को ट्रैक्टर से हांकने गए थे। सुबह करीब आठ बजे बगल के खेत वाले देवेन्द्र शर्मा और उसका भाई गोलू शर्मा वहां आ धमके। पीड़ित पक्ष ने एक-दो दिन पहले खेतों के बीच से गुजरने वाले कच्चे रास्ते पर गड्ढे खोदकर आवागमन बाधित करने पर आपत्ति जताई। इस बात से गुस्साए दोनों भाइयों ने गालियां देना शुरू कर दिया। विरोध करने पर देवेन्द्र शर्मा ने डंडे से हमला कर कोमल चौरसिया के सिर पर गंभीर चोट पहुंचाई, जिससे खून बह निकला। बीच-बचाव करने आए अनिल चौरसिया और उनके छोटे भाई हरवीर के साथ भी आरोपियों ने डंडों से मारपीट की। घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पुलिस ने घायलों का मेडिकल कराकर आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तेलघानी चौराहे पर तेज रफ्तार कार ने स्कूटी में मारी टक्कर

गुना। शहर के तेलघानी चौराहे के पास एक तेज रफ्तार कार चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए स्कूटी में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में स्कूटी सवार युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गया, जबकि आरोपी चालक कार लेकर मौके से फरार हो गया। फरियादी किशन सिंह गौर निवासी डीआरपी लाइन जेल के पास, ग्वालियर ने सिटी कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि गत रात करीब साढ़े दस बजे वह अपनी एक्टिवा स्कूटी एमपी 08 एमएस 8332 से हनुमान चौराहे की ओर से अपने जीजा के घर जा रहा था। जब वह तेलघानी चौराहे पर पहुंचा, तभी पीछे से आई सफेद रंग की कार एमपी 13 एएल 3380 के चालक ने वाहन को तेजी व लापरवाही से चलाते हुए उसकी स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में किशन सिंह के बाएं पैर के पंजे, घुटने और बाएं कंधे में चोटें आईं। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बच्ची को बंधक बनाने की सूचना, ग्रामीणों ने घेरा तो 12 बोर की बंदूक से की गोलीबारी

बेरखेड़ी गांव में चोरी करने घुसे बदमाशों की अंधाधुंध फायरिंग, तीन ग्रामीण घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुना



जिले के धरनावदा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली झागर चौकी के बेरखेड़ी गांव में एक बार फिर दुस्साहसिक वारदात सामने आई है। मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात करीब ढाई बजे चोरी करने की नीयत से घुसे चार पारदी बदमाशों ने ग्रामीणों के जागने पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस गोलीबारी में तीन ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें तत्काल जिला अस्पताल लाया गया। एक घायल की गंभीर हालत को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए अन्यत्र रेफर किया गया है। इस सनसनीखेज घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

बंदूक व कारतूस मौके पर ही छोड़कर भागे बदमाश

ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, आधी रात के वक्त बदमाश चोरी की वारदात को अंजाम देने के इरादे से घर में घुसे थे। इस दौरान उन्होंने एक छोटी सी बच्ची को बंधक बना लिया था। इसी बीच जब परिवार के सदस्य और अन्य ग्रामीण मौके पर आ धमके और बदमाशों को घेर लिया, तो खुद को फंसता देख बदमाशों ने 12 बोर की बंदूक से फायरिंग शुरू कर दी। ग्रामीणों ने बताया कि अचानक हुई इस गोलीबारी में रंजीत धाकड़, वीरेंद्र धाकड़ और पड़ोसी मोहन मोगिया गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों के मुखर होने और बहादुरी से मुकाबला करने पर बदमाश हड़बड़ा गए और अपनी 12 बोर की लोडेड बंदूक तथा कारतूस मौके पर ही छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बदमाशों का हुलिया और उनकी बातचीत का तरीका पारदी समुदाय जैसा प्रतीत हो रहा है।

पंद्रह दिन पहले भी हुई थी वारदात, ग्रामीणों में रोष

स्थानीय लोगों का कहना है कि बेरखेड़ी गांव में महज पंद्रह दिन पहले भी इसी तरह लूट और चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया था। लगातार हो रही इन आपराधिक घटनाओं और बदमाशों के इस तरह खुलेआम खूनखराबे से ग्रामीणों में भारी डर और रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि इलाके में पुलिस गश्त बढ़ाई जाए और इन कुख्यात बदमाशों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा जाए। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है।

गोविंदपुर में खेत से मक्का की फसल चोरी, ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर ले गए आरोपी

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुना

जिले के आरोन थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम गोविंदपुर में एक खेत से करीब 12 क्विंटल मक्का की फसल चोरी होने का मामला सामने आया है। दबंग पड़ोसी किसानों पर रात के वक्त ट्रैक्टर-ट्रॉली से मक्का की भुट्टा चोरी कर ले जाने का आरोप है। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, फरियादी राजू रघुवंशी48, निवासी गुलाबगंज, आरोन ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उनकी माताजी राजकुमारी रघुवंशी के नाम ग्राम गोविंदपुर में सर्वे नंबर 72/3/2 (रकबा 1.4630 हेक्टेयर) जमीन स्थित है। इस भूमि पर उन्होंने खेत की देखरेख करने वाले हकोला केबट के साथ मिलकर मक्का की फसल बोई थी, जिसे कुछ दिन पहले तुड़वाकर खेत में ही रखवाया गया था। गत सुबह करीब 10 बजे जब राजू रघुवंशी खेत पर पहुंचे, तो वहां रखी मक्का की भुट्टायें गायब थीं। पूछताछ करने पर खेत के हाली हकोला केबट ने बताया कि बगल के खेत वाले रात के वक्त ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर फसल ले गए थे। डर के कारण उसने तुरंत इसकी जानकारी नहीं दी थी। चोरी गई लगभग 10 से 12 क्विंटल मक्का की कीमत करीब 20,000 रुपये आंकी गई है। पीड़ित ने जमीन के खसरा, खतौनी और रजिस्ट्री की प्रतियां भी पुलिस को सौंपी हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। इधर जिले के आरोन थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जासी में मक्का तुड़ाई की मजदूरी के पैसों के लेन-देन को लेकर दो साथियों के बीच खूनी विवाद हो गया। आरोपी ने अपने ही साथी पर लोहे की वस्तु से हमला कर उसे लहूलुहान कर दिया और जान से मारने की धमकी देकर मौके से भाग निकला। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

अस्पताल परिसर में तंबाकू सेवन करने वालों पर सख्ती

चेतावनी बोर्ड के बाबजूद उल्लंघन, 11 व्यक्तियों पर 1050 रुपए का जुर्माना



हरिभूमि न्यूज ⏭ गुना

अस्पताल परिसर में तंबाकू सेवन कर गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध जिला चिकित्सालय में कार्रवाई की गई। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार एवं सीएमएचओ डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत चलाए गए अभियान में 11 व्यक्तियों पर 1,050 रुपये का जुर्माना लगाया गया। जिला चिकित्सालय परिसर में जगह-जगह तंबाकू सेवन करने पर 200 रुपये के जुर्माने की चेतावनी प्रदर्शित की गई है। इसके बावजूद नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की गई। डिप्टी कलेक्टर महिमा चौधरी ने संबंधित व्यक्तियों को समझाइश देते हुए अस्पताल परिसर की स्वच्छता बनाए रखने और तंबाकू सेवन से दूर रहने की अपील की।

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम की नोडल अधिकारी विनीता सोनी ने तंबाकू व्यसन मुक्ति केंद्र के माध्यम से तंबाकू सेवन करने वालों को व्यसन छोडऩे के लिए प्रेरित किया। उन्होंने केंद्र पर उपलब्ध परामर्श एवं उपचार सेवाओं का लाभ लेने की अपील भी की। कार्रवाई में डॉ. सूरज सिंह, डॉ. अरुण प्रकाश धाकड़, रेखा शर्मा, शीलेन्द्र सिंह, मुरारी लाल, सादिक खान, आदिल खान एवं मोनू जाटव ने सहयोग किया।

ट्रैक्टर निकालने के विवाद में बजरंगगढ़ क्षेत्र के बरखेड़ा गिर्द में खूनी संघर्ष

मारपीट के बाद घायल हुए ग्रामीण की मौत, परिजनों ने लगाए आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुना

जिले के बजरंगगढ़ थाना अंतर्गत ग्राम बरखेड़ा गिर्द में ट्रैक्टर निकालने को लेकर हुए खूनी संघर्ष का मामला तूल पकड़ गया है। इस विवाद के दौरान हुई मारपीट में घायल हुए एक ग्रामीण की इलाज के दौरान रास्ते में मौत हो गई। घटना के बाद बुधवार को जिला अस्पताल में मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही बरतने और गंभीर चोटों को नजरअंदाज करने के आरोप लगाए हैं। जबकि पुलिस का कहना है कि मौत हार्ट अटैक से हुई है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ट्रैक्टर निकालने को लेकर हुआ था विवाद

परिजन दीपक धाकड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि 13 अक्टूबर को पास में रहने वाले लोगों से ट्रैक्टर निकालने को लेकर विवाद हो गया था। आरोप है कि सतीश धाकड़, संजीव धाकड़ और ब्रजमोहन धाकड़ ने परिवार की एक महिला और बेटे के साथ मारपीट की थी। बीच-बचाव करने आए महिला के जेठ मोहन सिंह धाकड़ के साथ भी आरोपियों ने बेरहमी से मारपीट की। इस दौरान आरोपियों ने गले को मुंह से काटा और छाती पर लात मारकर अंदरूनी चोट पहुंचाई।

मुश्किल से दर्ज हुई थी एफआईआर

परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद जब वे बजरंगगढ़ थाने एफआईआर दर्ज कराने पहुंचे, तो पुलिस ने टालमटोल रवैया अपनाया और बड़ी मुश्किल से रिपोर्ट दर्ज की। हालांकि, उस वक्त मोहन सिंह ने अपनी चोटों की शिकायत नहीं की थी। दो-तीन दिन बाद जब थाने के दीवानजी जांच के लिए गांव पहुंचे, तो परिजनों ने मोहन सिंह के साथ हुई मारपीट और अंदरूनी चोटों की जानकारी दी। आरोप है कि पुलिसकर्मी ने यह कहकर टरका दिया कि जब दो लोगों ने शिकायत कर दी है, तो अब इनकी रहने दो।

18 अक्टूबर को अचानक मोहन सिंह की तबीयत ज्यादा खराब हो गई। परिजन उन्हें पहले स्थानीय अस्पताल ले गए, जहां से हालत गंभीर होने पर भोपाल रैफर कर दिया गया, लेकिन अस्पताल ले जाते वक्त रास्ते में उन्होंने दम तोड़ दिया। परिजनों का कहना है कि मारपीट के दौरान आई अंदरूनी चोटों के कारण उनकी हालत लगातार बिगड़ती गई, जिससे उनकी मौत हुई। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपियों ने पर्स से मारपीट की थी, लेकिन पुलिस ने एफआईआर में डंडे से मारपीट होना दर्ज किया है, जबकि घायल के हाथ में गंभीर टांके भी लगे हैं।

पुलिस का पक्ष

इस संबंध में बजरंगगढ़ थाना प्रभारी कृपाल सिंह परिहार ने बताया कि 13 अक्टूबर को दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ था, जिस पर क्रॉस मामला दर्ज कर लिया गया था। मृतक मोहन सिंह के साथ मारपीट की बात उन्होंने शुरुआत में नहीं बताई थी। 18 अक्टूबर को अटैक आने के बाद परिजन उन्हें निजी अस्पताल ले गए थे, जहां से भोपाल रैफर करते समय उनकी मौत हो गई। थाना प्रभारी ने कहा कि परिजनों की शंका के आधार पर शव का पोस्टमार्टम कराया गया है, और पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा होगा, जिसके आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

ईसाटोडा मंदिर के पास तेज रफ्तार बाइक चालक ने दंपती को मारी टक्कर, गंभीर घायल

गुना। जिले के राघौगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत झांकी देखने जा रहे दंपति की मोटरसाइकिल में एक तेज रफ्तार बाइक चालक ने लापरवाही से टक्कर मार दी। हादसे में पति-पत्नी दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेजा गया। इलाज कराने के बाद पीड़ित ने थाने पहुंचकर मामला दर्ज कराया है। फरियादी नेपाल सिंह यादव निवासी ग्राम लठ्या ने पुलिस को बताया कि गत शाम करीब छह बजे वह अपनी पत्नी रानी बाई के साथ मोटरसाइकिल एमपी 08 एमके 0887 से राघौगढ़ झांकी देखने जा रहे थे। जब वे ईसाटोडा मंदिर की पुलिया के पास पहुंचे, तभी सामने से गांव के ही अमित यादव ने अपनी बाइक एमपी 08 जेडबी 8809 को तेजी व लापरवाही से चलाते हुए उनकी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दंपति सड़क पर गिर पड़े और घायल हो गए। गंभीर हालत के चलते पत्नी को गुना अस्पताल रैफर किया गया था। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी बाइक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जामनेर में तेज रफ्तार बाइक ने झांकी देखने गए ग्रामीण को मारी टक्कर, भोपाल रेफर

गुना। जिले के जामनेर थाना क्षेत्र के अंतर्गत झांकी देखने के दौरान एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए खड़े ग्रामीण को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में ग्रामीण को गंभीर चोटें आई हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए भोपाल रैफर किया गया है। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया है। फरियादी गिर्राज विश्वकर्मा निवासी जामनेर ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि गत शाम वह, उसके चाचा रामपाल विश्वकर्मा और चाची नीतू बाई अपने घर के सामने खड़े थे। गांव में आई झांकी के समय रामपाल प्रसाद लेने सडक की तरफ गए थे। तभी जामनेर की ओर से आ रही मोटरसाइकिल के चालक ने वाहन को तेज गति व लापरवाही से चलाते हुए रामपाल में टक्कर मार दी। हादसे में रामपाल घायल हो गया। हालत गंभीर होने पर तुरंत इलाज के लिए भोपाल ले गए।

मेघनाद-अहिरावण वध और रावण वध के साथ रामलीला का भव्य समापन



हरिभूमि न्यूज ⏭ गुना

सार्वजनिक श्री रामलीला एवं दशहरा पर्व समिति के तत्वावधान में शहर में आयोजित 15 दिवसीय रामलीला का बुधवार को समापन हो गया। मंचन के अंतिम दिन कलाकारों ने मेघनाद वध, अहिरावण वध, रावण वध और भगवान श्रीराम के राजतिलक की सजीव प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को भावविभोर कर दिया। लीला के दौरान लक्ष्मण-मेघनाद के बीच भीषण युद्ध का मंचन हुआ। मेघनाद के वध के बाद अहिरावण द्वारा राम-लक्ष्मण को पाताल लोक ले जाने और हनुमान जी द्वारा अहिरावण का वध कर उन्हें सकुशल वापस लाने के प्रसंग ने दर्शकों की खूब वाहवाही बटोरी। इसके बाद वानर सेना ने लंका को घेर लिया और राम-रावण महासंग्राम में प्रभु श्रीराम ने नाभि में अग्निबाण मारकर रावण का वध किया। रावण के वध के साथ ही पूरा पंडाल जय श्री राम के जयकारों से गूंज उठा।रावण पर विजय प्राप्त कर भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटे, जहां भव्य रूप से भगवान श्रीराम का राजतिलक किया गया। इसके साथ ही 15 दिवसीय नाट्य मंचन का समापन हुआ। आयोजन समिति के संयोजक गोविंद सोनी, अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा, उपाध्यक्ष रामदयाल कुशवाह, सचिव विजय पटेरिया, कोषाध्यक्ष अतिवीर जैन, निर्देशक पुरुषोत्तम धाकड़ और मीडिया प्रभारी योगेश लोधा सहित समिति के सभी पदाधिकारियों ने सफल आयोजन पर हर्ष जताया। इस दौरान व्यास गादी पर शंभू दयाल शर्मा और ढोलक पर सुनील शर्मा रहे। वहीं, कुलदीप भार्गव, अभिषेक शर्मा छुट्टन, वैभव भार्गव, मनोज भट्ट, अरुण रघुवंशी सहित अन्य कलाकारों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

पुलिस लाइन स्थित शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि समारोह का किया गया आयोजन

वीर शहीदों के अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान को नमन

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुना



देश की आंतरिक सुरक्षा, कानून-व्यवस्था एवं नागरिकों की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर पुलिस जवानों की स्मृति में गुना पुलिस द्वारा पुलिस स्मृति दिवस श्रद्धा, सम्मान एवं गौरव के साथ मनाया गया। पुलिस अधीक्षक हितिका वासल के दिशा-निर्देशन में गुना पुलिस लाईन स्थित शहीद स्मारक परिसर में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में न्यायिक, प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों तथा गणमान्य नागरिकों ने अमर शहीदों को नमन करते हुए उनके अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति का स्मरण किया।

उल्लेखनीय है कि 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख की दुर्गम पहाड़ियों में चीनी सैनिकों के हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) के 10 वीर जवान शहीद हो गए थे । मातृभूमि की रक्षा और कर्तव्य निर्वहन के दौरान अपने प्राण न्योछावर करने वाले इन वीर जवानों की स्मृति में प्रतिवर्ष 21 अक्टूबर को पूरे देश में पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है । यह दिवस पुलिस बलों के अदम्य साहस, त्याग, समर्पण और कर्तव्य के प्रति अटूट निष्ठा का प्रतीक है। आज पुलिस स्मृति दिवस समारोह का शुभारंभ प्रातः 9 बजे हुआ।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक हितिका वासल ने वर्ष 2025-26 के दौरान देशभर में कर्तव्य निर्वहन करते हुए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले कुल 154 वीर जवानों के नामों का वाचन किया । इन अमर शहीदों में मध्यप्रदेश पुलिस के 09 वीर सपूत भी शामिल हैं, जिन्होंने कर्तव्य पथ पर अपने प्राण न्योछावर कर पुलिस विभाग एवं प्रदेश का गौरव बढ़ाया । शहीद मध्यप्रदेश पुलिस के इन वीर जवानों में निरीक्षक आशीष शर्मा, उपनिरीक्षक अशोक शर्मा, सहायक उपनिरीक्षक मदनलाल निनामा, प्रधान आरक्षक सर्जन सिंह भील, प्रधान आरक्षक परिमल सिंह तोमर, प्रधान आरक्षक ओमप्रकाश भवेदी, आरक्षक [illegible] काश चतुर्वेदी, आरक्षक महेश प्रसाद पाठक एवं महिला आरक्षक सुआरती पाल शामिल हैं। शहीद जवानों के नामों के वाचन के उपरांत उनकी सूची शहीद स्मारक पर रखी गई। शोक परेड एवं सलामी के साथ अमर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। समारोह में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मौन धारण कर शहीद जवानों के प्रति अपनी विनम्र श्रद्धांजलि व्यक्त की। श्रद्धांजलि समारोह में प्रमुख रूप से माननीय विशेष न्यायाधीश आरके जैन, अपर सत्र न्यायाधीश सोनाली शर्मा, अपर सत्र न्यायाधीश सुशैलजा गुप्ता, माननीय विधायक गुना पन्नालाल शाक्य, कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल, उपमहानिरीक्षक एवं सेनानी एसएएफिकास पाठक, जेल अधीक्षक अतुल सिन्हा उपस्थित रहे।

समाचार संक्षेप

सीएमओ ने किया सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण, गुणवत्तापूर्ण निर्माण के निर्देश



राघौगढ़। मुख्य नगर पालिका अधिकारी तेज सिंह यादव ने नगर पालिका राघौगढ़ क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 6 स्थित चक्की गली में चल रहे सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता का जायजा लेते हुए संबंधित ठेकेदार को सड़क का निर्माण गुणवत्तापूर्ण तरीके से करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वार्डवासियों ने सीएमओ तेज सिंह यादव के समक्ष सफाई व्यवस्था को लेकर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि वार्ड में सफाई कर्मचारी नियमित रूप से सफाई करने नहीं आता, जिसके कारण क्षेत्र में जगह-जगह गंदगी फैली हुई है और रहवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वार्डवासियों की शिकायत पर सीएमओ तेज सिंह यादव ने उन्हें आश्वासन दिया कि वार्ड में प्रतिदिन नियमित रूप से सफाई कराई जाएगी। उन्होंने सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने का भरोसा दिलाया। सीएमओ के आश्वासन के बाद वार्ड क्रमांक 6, चक्की गली के रहवासियों ने उनका आभार व्यक्त किया। इस दौरान सीएमओ तेज सिंह यादव, इंजीनियर विशाल बाबू शर्मा, पार्षद एजाज अहमद शेख, ठेकेदार इसरायल सैयद सहित वार्डवासी मौजूद रहे।

गुना में 31 अक्टूबर को होगा कराओके गीत कार्यक्रम का आयोजन

राघौगढ़। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, दिल्ली पंजीकृत द्वारा 31 अक्टूबर को शाम 6 बजे से मानस भवन, गुना में कराओके गीत कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में गुना और अशोकनगर जिले के संगीत प्रेमी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य संगीत प्रेमियों को मंच प्रदान करना और उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में झंकार म्यूजिक, एनएफएल विजयपुर सहयोगी संस्था के रूप में शामिल है। श्री श्रीवास्तव ने संगीत प्रेमियों, कायस्थ समाज के सदस्यों, युवाओं एवं मातृशक्ति से कार्यक्रम में शामिल होकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की।

पूर्व सांसद लक्ष्मण सिंह ने वार्ड 1 में शोकाकुल परिवारों के बीच पहुंचकर व्यक्त की संवेदनाएं



राघौगढ़। बुधवार को पूर्व सांसद लक्ष्मण सिंह ने नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 1 में पहुंचकर शोकाकुल परिवारों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने दिवंगत परिजनों को श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं तथा उन्हें इस दुख की घड़ी में ढांढस बंधाया।

नौ दिनों की आराधना के बाद निकले भव्य विसर्जन जुलूस

श्रद्धा और उल्लास के साथ माता रानी को दी विदाई, पार्वती नदी में हुआ विसर्जन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुंभराज



नगर में आस्था, श्रद्धा और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला। नौ दिनों तक विधि-विधान से माँ दुर्गा की आराधना और श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देने के बाद माता रानी को भावपूर्ण विदाई दी गई। इसी के साथ नवरात्रि पर्व का भक्तिमय समापन हुआ। नवरात्रि पर्व के समापन पर रात्रि में कुंभराज के प्रमुख मार्गों से एक के बाद एक भव्य एवं आकर्षक विसर्जन जुलूस निकाले गए। जुलूसों के दौरान ढोल-नगाड़ों की गूंज, पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुन और माँ अंबे के जयकारों से पूरा नगर गुंजायमान हो उठा। मुख्य मार्गों से गुजरते इन जुलूसों को देखने के लिए नगरवासियों की भारी भीड़ उमड़ी। चारों ओर भक्तिमय माहौल नजर आया और श्रद्धालु माता रानी की भक्ति में लीन दिखाई दिए। नौ दिनों तक माता रानी की आराधना करने के बाद उन्हें विदाई देने का क्षण श्रद्धालुओं के लिए भावुक कर देने वाला रहा। वहीं, माता रानी के अगले वर्ष पुनः आगमन की आस और उल्लास भी श्रद्धालुओं के चेहरों पर साफ झलक रहा था। पूरा कुंभराज भक्ति और श्रद्धा के रंग में सराबोर नजर आया।

पार्वती नदी में किया प्रतिमाओं का विसर्जन

नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से निकाली गई विभिन्न झांकियों में शामिल माता रानी की प्रतिमाओं का विसर्जन पार्वती नदी में किया गया। नदी तट पर अंतिम पूजा-अर्चना और आरती के बाद विधि-विधान से प्रतिमाओं का विसर्जन संपन्न हुआ। विसर्जन स्थल राघौगढ़ तहसील की सीमा में आने के कारण ग्राम नीमखेड़ी के सरपंच एवं सचिव द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएँ की गई थीं। तहसीलदार कुलदीप सिंह जादौन के अनुसार, विसर्जन व्यवस्था के लिए तहसील के कोटवार, नगर परिषद के कर्मचारी तथा थाना प्रभारी अमित अग्रवाल पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे। विसर्जन के दौरान सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। मंगलवार दोपहर तक प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला जारी रहा। ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में झांकियां पार्वती नदी पहुंचीं, जहां विधि-विधान के साथ माता रानी की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। इस प्रकार कुंभराज में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में नवरात्रि पर्व का समापन हुआ।

3 तहसीलों में हुआ रावण दहन विधायक प्रियंका पेची हुईं शामिल



हरिभूमि न्यूज ⏭ चाचौड़ा

विजयादशमी पर्व के अवसर पर चाचौड़ा विधानसभा क्षेत्र की तीन तहसीलों मधुसूदनगढ़, चाचौड़ा और बीनागंज में रावण दहन कार्यक्रम आयोजित किए गए। क्षेत्रीय विधायक प्रियंका पेची तीनों स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में शामिल हुईं। कुर्सी पर न बैठते हुए जनता के बीच नीचे बैठी और क्षेत्रवासियों के साथ पर्व की खुशियां साझा कीं। रावण दहन के साथ ही बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की विजय का संदेश दिया। इस अवसर पर विधायक प्रियंका ने कहा कि विजयादशमी का पर्व हमें भगवान श्रीराम के आदर्शों पर चलने तथा सत्य, धर्म और सदाचार के मार्ग को अपनाने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि रावण दहन केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि अपने भीतर की बुराइयों, अहंकार और अन्याय को समाप्त करने का संकल्प भी है।

कार्यक्रमों में भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रद्युम्न मीणा, एसडीएम अमित सोनी सहित भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। विधायक प्रियंका पेची ने प्रभु श्रीराम से प्रार्थना करते हुए कहा कि सभी के जीवन में क्षेत्र निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़े।

51 फीट के रावण, कुम्भकर्ण और मेघनाद के पुतलों का किया दहन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुंभराज



नगर परिषद के सौजन्य से विजयादशमी के पर्व पर 51 फीट ऊंचे रावण तथा 45-45 फीट ऊंचे कुम्भकर्ण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया गया। इस अवसर पर खारा कुआं, निचला बाजार से भगवान श्रीराम और रावण दरबार की झांकियां श्री हनुमान अखाड़े के साथ नगर के प्रमुख मार्गों से निकाली गईं, जो दशहरा मैदान पहुंचीं। दशहरा मैदान में रंगारंग आतिशबाजी और आकर्षक विद्युत सज्जा के बीच श्री हनुमान रामलीला मंडल के कलाकारों ने रामायण के विभिन्न प्रसंगों और संवादों का सजीव मंचन किया। इसके बाद भगवान श्रीराम और रावण के बीच युद्ध हुआ।

भगवान श्रीराम ने अग्निबाण से रावण की नाभि में स्थित अमृत कुंड पर प्रहार किया, जिसके बाद रावण का पुतला धू-धू कर जल उठा। इससे पूर्व लक्ष्मण, हनुमान, अंगद और सुग्रीव सहित अन्य योद्धाओं ने कुम्भकर्ण और मेघनाद से युद्ध किया। इसके पश्चात दोनों के पुतलों का भी दहन किया गया। नगर परिषद के सीएमओ लीलाधर सेन ने बताया कि नगर के इतिहास में पहली बार कुम्भकर्ण और मेघनाद के पुतलों का निर्माण कर उनका दहन किया गया। उन्होंने बताया कि कुम्भराज में रावण दहन की परंपरा वर्षों पुरानी है। पूर्व में अकबर चाचा निचले बाजार स्थित गांधी पार्क में रावण का हूबहू पुतला तैयार करते थे, जो अपनी भव्यता के कारण आकर्षण का केंद्र रहता था। इस पुतले को बैलगाड़ी पर रखकर अखाड़े के साथ दशहरा मैदान तक ले जाया जाता था। उन्होंने बताया कि उस दौर में अमरसिंह गुर्जर रावण की शानदार और दमदार भूमिका निभाकर दर्शकों को रोमांचित कर देते थे। समय के साथ इस आयोजन ने अनेक बदलाव देखे हैं, लेकिन विजयादशमी पर रावण दहन की परंपरा आज भी नगरवासियों के लिए विशेष आकर्षण और सांस्कृतिक महत्व रखती है।

धूमधाम से मनाया दशहरे का पर्व, 51 फीट ऊंचे रावण के पुतले का हुआ दहन; श्रीराम-रावण युद्ध देखने उमड़ी भीड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ चाचौड़ा



नगर की 152 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक परंपरा (स्थापना वर्ष 1875) के तहत इस वर्ष भी 'आदर्श रामलीला मंडल, चाचौड़ा (चँपावती)' के तत्वावधान में दशहरा पर्व अत्यंत उत्साह, श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। मंगलवार को दशहरा मैदान में भगवान श्रीराम और रावण के बीच हुए रोमांचक युद्ध और भव्य लीला का मंचन किया गया। इस अवसर पर 51 फीट ऊँचे रावण के पुतले का भव्य दहन किया गया, जिसे देखने के लिए चाचौड़ा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु और दर्शक उपस्थित रहे।

दशहरे के पावन अवसर पर बस स्टैंड से मुख्य मार्ग होते हुए दशहरा मैदान तक एक भव्य चल समारोह (शोभायात्रा) निकाला गया। पूरे मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों द्वारा पुष्पवर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया गया, जिससे पूरा क्षेत्र 'जय श्रीराम' के गगनभेदी जयकारों और भक्तिमय माहौल से सराबोर हो उठा।पर्व को शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के लिए स्थानीय प्रशासन, पुलिस प्रशासन और नगर परिषद पूरी तरह मुस्तैद नज़र आया। आयोजन को निर्विघ्न संपन्न कराने में एसडीएम चाचौड़ा अमित सोनी, एसडीओपी चाचौड़ा मनोज झा, तहसीलदार चाचौड़ा, थाना प्रभारी दिलीप कुमार राजोरिया, बीनागंज चौकी प्रभारी नीरज लोधी, सीएमओ चाचौड़ा बरुआ एवं नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सुनीता नाटाणी का विशेष व सराहनीय योगदान रहा। प्रशासनिक अधिकारियों ने चाचौड़ा दशहरा मैदान, उत्कृष्ट विद्यालय बीनागंज तथा अन्य आयोजन स्थलों का पूर्व में ही निरीक्षण कर सुरक्षा व यातायात के पुख्ता इंतजाम किए थे। कार्यक्रम के दौरान पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और नगर परिषद की टीम निरंतर स्थल पर तैनात रहकर सफाई, प्रकाश और भीड़ नियंत्रण की व्यवस्थाओं में जुटी रही। अधिकारियों और पुलिसबल की इस मुस्तैदी व सजगता के चलते पूरा आयोजन अत्यंत शांतिपूर्ण, अनुशासित और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ, जिसकी नगरवासियों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस ऐतिहासिक धार्मिक अनुष्ठान को भव्य और सफल बनाने में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, रामलीला समिति के सदस्यों एवं आम जनता का भी भरपूर सहयोग रहा। हजारों भक्तों की गरिमामयी उपस्थिति और अपार उत्साह के बीच रावण दहन के साथ यह पर्व चाचौड़ा में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

नाला निर्माण अधूरा छोड़ भागा ठेकेदार, रहवासी परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुंगावली

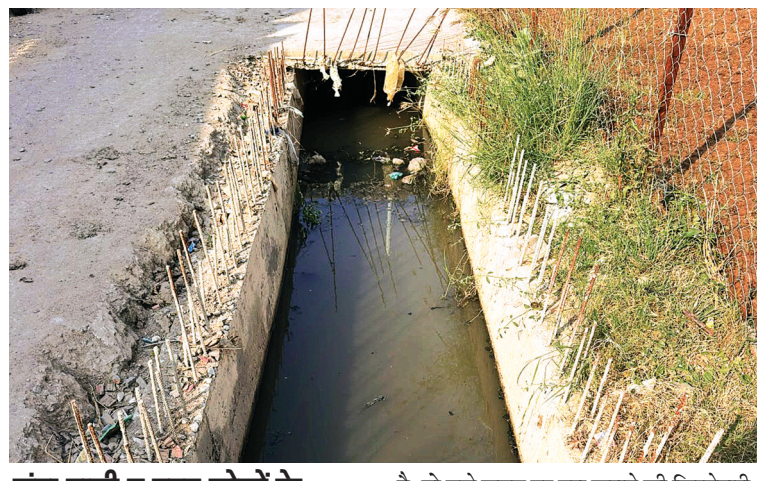

नगर में नाला निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिए जाने से स्थानीय रहवासियों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। स्थिति यह है कि पिछले दो माह से मोहल्ले में करीब चार फीट तक गंदा पानी भरा हुआ है। पानी से उठने वाली तेज बदबू के कारण लोगों का रहना मुश्किल हो रहा है, लेकिन समस्या के समाधान के लिए अब तक कोई ठोस कदम उठता नजर नहीं आ रहा है।

जानकारी के अनुसार नगर परिषद मुंगावली के वार्ड क्रमांक 1 में जेल तालाब से निकलने वाली छरार से मई माह में कार्य प्रारंभ हुआ था जिसको ठेकेदार द्वारा 60 दिवस में पूर्ण करना था पर 6 माह में कुल 200 मीटर नाला निर्माण करके ठेकेदार गायब हो गया, निर्माण कार्य पूरा होने से पहले ही काम बंद हो गया। इसके बाद से गंदे पानी की निकासी बाधित होने के कारण पानी एक ही स्थान पर जमा हो रहा है। लंबे समय से पानी भरा रहने के चलते पूरे क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है और स्थानीय लोगों को रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

गंदा पानी व बदबू लोगों के स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय

मोहल्ले में चार फीट तक गंदा पानी जमा होने की स्थिति ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, निगरानी और जिम्मेदारों की जवाबदेही पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर नाला निर्माण का कार्य अधूरा क्यों छोड़ दिया गया? यदि निर्माण कार्य किसी कारण से बंद हुआ है, तो उसे समय पर पूरा कराने की जिम्मेदारी किसकी है? इन सवालों का जवाब स्थानीय लोग चाहते हैं। लंबे समय से जमा गंदा पानी और उससे निकलने वाली बदबू लोगों के स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। ऐसे हालात में मच्छरों के पनपने और संक्रमण फैलने की आशंका भी बनी रहती है। सबसे अधिक परेशानी बच्चों, बुजुर्गों और मोहल्ले के अन्य रहवासियों को उठानी पड़ रही है।

नगर परिषद से जल्द कार्रवाही की मांग

स्थानीय रहवासियों की मांग है कि संबंधित अधिकारी मौके का निरीक्षण करें, नाला निर्माण कार्य को जल्द पूरा कराया जाए और जमा गंदे पानी की निकासी की तत्काल व्यवस्था की जाए। लोगों को उम्मीद है कि जिम्मेदार अधिकारी इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए राहत दिलाएंगे, ताकि मोहल्लेवासियों को गंदगी और दुर्गंध के बीच रहने से मुक्ति मिल सके।

पहले वार्ड में थी बेहतरीन सीसी सड़क

मिनी स्मार्ट सिटी के तहत इस मोहल्ले में बेहतरीन सीसी सड़क थी जिसको हेडरा मशीन से ठेकेदार द्वारा तोड़कर नाले का निर्माण किया जा रहा था। मगर न तो मोहल्ला में नाला बना न ही सड़क। जो अच्छी क्वालटी की सड़क थी उसको भी तोड़कर वेस्ट मटेरियल घरों के सामने ही डला छोड़ दिया है।

मुनिश्री के सानिध्य में पाठशाला के बच्चों को हथकरघा के वस्त्रों का किया गया वितरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर



मुनि निरजन सागर महाराज ने कहा गांधी जी ने स्व रोजगार और विदेशी सामान के बहिष्कार का एक स्वप्न देखा और इसे साकार करने के लिए उन्होंने अपना जीवन चरखे को समर्पित कर दिया। अपना कपड़ा स्वयं बनाना, कई बार बच्चे जब गांधी जी का अभिनय करते हैं तो उनके माता-पिता उन्हें खादी के वस्त्र दिलाते हैं, क्यों? क्योंकि गांधी जी की पहचान ही खादी से है। उन्होंने कहा कि किसी बच्चे को आप अन्य वस्त्र पहना दें तो कोई उसे गांधी जी नहीं कहेगा। यह खादी एक ऐतिहासिक और पौराणिक वस्त्र है।

जब भारत के स्वर्णिम इतिहास की ओर दृष्टिपात करते हैं तो भारत खादी का सबसे बड़ा उत्पादक देश था या यूँ कह सकते हैं कि पूरे विश्व को कपड़ा पहनना भारत ने ही सिखाया है। जितने भी विदेशी इतिहासकारों ने जब भी भारत के विषय में कुछ भी लिखा है, उस लेख में भारत की खादी उनकी लेखनी का विषय अवश्य रही है। ऐसा क्या विशेष है इस खादी में? ऐसा जब प्रश्न उठता है, तो इसका सर्वप्रथम उत्तर गाँधी जी यही देते थे कि यह स्वदेशी है, इसमें एक श्रमिक का परिश्रम है और उसकी कला है। और आयुर्वेद की दृष्टि से भी इस खादी को पहनने वाले व्यक्ति को कभी भी चर्म रोग नहीं होता है। क्योंकि इसकी बनावट ऋतु के अनुकूल रहती है। उन्होंने कहा कि जब भारत इस परंपरा को बिल्कुल भूल ही चुका था, तब संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महाराज ने अपने राष्ट्र के प्रति समर्पित चिंतन से इसे पुनः जीवन्त करने का एक प्रयास किया। जिसका आज सफलतम परिणाम देखने को सभी को मिल रहा है। आचार्य श्री के आशीर्वाद से कई पढ़े-लिखे युवा भाई इस कार्य में अपना श्रमदान देकर इस कार्य को विश्व पटल पर स्थापित करने का प्रयास रात-दिन कर रहे हैं। इसी श्रृंखला में यह पाठशाला का प्रयास भी सराहनीय है। और इसमें सहयोग कर्ता श्री महावीर स्वीट्स परिवार, पवन पत्रकार परिवार, बगीचा मंदिर ट्रस्ट सभी लोगों को हमारा बहुत-बहुत आशीर्वाद।

नगर में श्वानों का बढ़ा आतंक, मासूम बच्चों पर कर रहे हमला



चंदेरी। नगर में बंदरों के आतंक के बाद अब श्वानों का कहर बढ़ता जा रहा है। शहर की गलियों और मुख्य मार्गों पर घूमते श्वानों अब राहगीरों और मासूम बच्चों को अपना शिकार बना रहे हैं। आए दिन हो रहे हमलों से नगरवासियों में खौफ का माहौल बना हुआ है। हाल ही में नया बस स्टैंड एसडीओपी कार्यालय के सामने एक घटना सामने आई। चार-पांच दिन पहले एक श्वानों ने एक मासूम बच्ची पर अचानक हमला कर दिया और उसे लहूलुहान कर दिया। गनीमत रही कि पास ही में पंचर की दुकान चलाने वाले एक युवक की नजर बच्ची पर पड़ गई। युवक ने तत्परता दिखाते हुए बच्ची को श्वानों के चंगुल से छुड़ाने का प्रयास किया, जिस पर श्वान ने उस युवक पर भी जानलेवा हमला कर दिया।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पुलिस लाइन स्थित शहीद स्मारक पर आयोजित हुआ श्रद्धांजलि समारोह

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद पुलिसकर्मियों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर



कर्तव्य निर्वहन के दौरान अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर पुलिसकर्मियों की स्मृति में पुलिस लाइन अशोकनगर स्थित शहीद स्मारक परिसर में पुलिस स्मृति दिवस समारोह का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, पत्रकारों तथा शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों ने सहभागिता कर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उल्लेखनीय है कि 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र में चीनी सैनिकों के हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 10 वीर जवान शहीद हुए थे। इन वीर जवानों के सर्वोच्च बलिदान की स्मृति में प्रतिवर्ष 21 अक्टूबर को पूरे देश में पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है।

154 अमर शहीदों के नामों का किया गया वाचन

समारोह के दौरान पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा ने वर्ष 2025-26 में कर्तव्य निर्वहन के दौरान शहीद हुए देशभर के 154 पुलिस एवं सुरक्षा बल के जवानों के नामों का वाचन किया। इन शहीदों में मध्यप्रदेश पुलिस के 09 वीर सपूतों 1. निरीक्षक आशीष शर्मा, 2. उनि0 अशोक शर्मा, 3. सउनि0 मदनलाल निनामा, 4. प्रआर0 सरजन लाल भील, 5. प्रआर0 परमाल सिंह तोमर, 6. प्रआर0 ओमप्रकाश भावेदी, 7. आर0 विकाश चतुर्वेदी, 8. आर0 महेश प्रसाद पाठक, 9. आर0 आरती पाल शामिल हैं। शहीदों के नामों के वाचन के पश्चात शहीद स्मारक पर शोक परेड एवं सलामी के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर अमर शहीदों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।



शहीदों के परिजनों का किया सम्मान

कार्यक्रम में जिला अशोकनगर के शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों को आमंत्रित कर पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा द्वारा सम्मान चिह्न एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शहीदों के त्याग, समर्पण और राष्ट्र के प्रति उनके सर्वोच्च बलिदान को स्मरण करते हुए उनके परिजनों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की गई। शस्त्र एवं उपकरण प्रदर्शनी रही आकर्षण का केंद्र:- पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर पुलिस द्वारा उपयोग किए जाने वाले आधुनिक हथियारों एवं उपकरणों की प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। प्रदर्शनी के माध्यम से पुलिस बल की कार्यप्रणाली, संसाधनों एवं सुरक्षा उपकरणों की जानकारी प्रदर्शित की गई। समारोह में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सतीष चन्द शर्मा, अशोकनगर विधायक हरीबाबू राय, कलेक्टर साकेत मालवीय, पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतर सिंह कनेश,एसडीओपी अशोकनगर ओमप्रकाश मिश्रा, एसडीओपी मुंगावली, होमगार्ड कमांडेंट राघवेन्द्र शर्मा सहित विभिन्न थाना प्रभारी, पुलिस अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं शहीदों के परिजन उपस्थित रहे। सभी ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर वीर शहीदों को नमन किया।

पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा ने कहा कि हमारे शहीद साथियों ने अपने कर्तव्य पथ पर राष्ट्र की सुरक्षा और जनसेवा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है। उनके अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और देशप्रेम को हम नमन करते हैं। पुलिस परिवार सदैव शहीदों के परिजनों के साथ खड़ा है। उनका त्याग हम सभी को पूरी निष्ठा, ईमानदारी और साहस के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की प्रेरणा देता रहेगा।

खबर संक्षेप

मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज

अशोकनगर। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज किए गये हैं। जिले के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम गहोरा निवासी रूपेश शर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी राहुल पाल ने उसका हाथ मुंह से काटकर उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के देहात थाना क्षेत्र के अंतर्गत अखाईकृष्ण निवासी शारदाबाई वंशकार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी उसके पति प्रकाश वंशकार ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के कचनार थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कूढ़ई तूमैन निवासी प्रवेश बाई अहिरवार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी मोनू,सोनू राजधर, मुन्नीलाल, कल्ला, अनिल अहिरवार ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इसी घटना में दूसरे पक्ष की ओर से राजधर अहिरवार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि राहुल,दीपक दर्शन,नीलम,चन्द्रभान ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के मुंगावली थाना क्षेत्र के अंतर्गत भ्याना चक्क निवासी शिशुपाल आदिवासी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी नीलू,मालिक, सूरज बंजारा ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के मुंगावली थाना क्षेत्र के अंतर्गत मुंगावली निवासी जसवंत बागड़ी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी रामभरोसी, व नन्नाबाई बागड़ी ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के पिपरई थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम केनबारा निवासी कृष्णपाल यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी प्राण सिंह और करतार सिंह यादव ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज

अशोकनगर। जिले के महिला थाने के अंतर्गत मथाना निवासी विनीता कौर ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि दहेज की मांग को लेकर ससुराल पक्ष की ओर से गगनदीप सिंह, जीतसिंह, सतनाम सिंह ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिस पर से पुलिस ने ससुराल पक्ष पर मामला दर्ज किया है।

जिले में पराली जलाना पूर्णतः प्रतिबंधित

अशोकनगर। जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुये नरवाई/पराली जलाना प्रतिबंधित है। जिले में फसल कटाई हेतु उपयोग होने वाले समस्त कम्बाईन हार्वेस्टरों में स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम (एस.एम.एस.) अनिवार्य रूप से लगा होना अनिवार्य किया गया है। इसका उल्लंघन करने पर हार्वेस्टर मालिक के विरूद्ध वायु प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण अधिनियम के तहत कार्यवाही की जायेगी। खरीफ 2025 में 510 पराली जलाने की घटनायें हुई थीं। ग्राम पंचायत स्तर पर पराली में आग लगाने से रोकने एवं समझाईश देने के लिए निगरानी दल गठित किये गये हैं जिसमें सरपंच अध्यक्ष, ग्राम पंचायत सचिव सदस्य सचिव, कृषि विस्तार अधिकारी, हल्का पटवारी, ए.व्ही.एफ.ओ. ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी सदस्य है यह निगरानी दल अपने क्षेत्र में नरवाई/पराली को जलाने हेतु निगरानी करेंगे। ग्राम पंचायत स्तर पर नरवाई/पराली जलाने की घटनायें शून्य होने पर उस ग्राम पंचायत को पुरूस्कृत किया जायेगा। समझाईश के बाद पराली में आग लगाने पर अर्थदण्ड किया जायेगा।

नवदुर्गा पर्व पर मां बीजासन मंदिर में हुई महाआरती

शाढ़ौरा। शाढ़ौरा के अस्तल मोहल्ला में बिराजी मां बीजासन के मंदिर में नवदुर्गा पर्व के चलते महाआरती का आयोजन भव्यता से सम्पन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि रूप में शाढ़ौरा थाना प्रभारी सुनील सिकरवार शामिल हुए। यह बीजासन मंदिर अति प्राचीन हैं एवं बरतरे वाली बीजासन मां के नाम से प्रसिद्ध है मां त्रिवेणी अर्थात बर, पीपल, नीम के पेड़ के नीचे मंदिर में विराजमा है। मां बीजासन संतान सुख की प्राप्ति देने वाली मां है। यहां इंदौर,उज्जैन, भोपाल ग्वालियर, गुना अशोकनगर प्रदेश भर से लोग मां के दर्शन करने आते हैं।

नांचते गाते हुए भक्त सड़कों पर नजर आए, कई जगहों पर हुआ भंडारा

झांकियों में सजी देवी मां को विसर्जन के दिन नम आंखों से विदाई दी गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर





नवरात्रि महापर्व के समापन के पश्चात जब माता को विदाई देने की बारी आई तब श्रद्धालुओं ने माता की भक्ति करने के बाद शहर के तुलसी सरोवर पर बनाए गए विर्सजन कुण्ड के जल में नम आंखों से विदाई दी। नवरात्रि महापर्व पर 100 से अधिक प्रतिमाएं रात से लेकर पूरे दिन तुलसी सरोवर पर पहुंची। शहर की सड़कों पर झांकी आयोजकों को वाहन में माता को विराजमान कर विर्सजन के लिए ले जाते हुए देखा गया। नांचते गाते हुए भक्तों की टोलियां सड़कों पर नजर आईं। माता के विर्सजन के साथ ही नवरात्रि महापर्व का समापन हो गया है।

तुलसी सरोवर पर बने विसर्जन कुण्ड पर माता को विसर्जित किया गया

नवरात्रि पर्व शहर के सबसे बड़े पर्वों में से एक है इस महापर्व पर शहर में अनगिनत माता की झांकियां लगाई गईं थीं। इन झांकियों में माता के विभिन्न स्वरूपों को नवरात्रि पर्व के 9 दिनों तक भक्ति भाव से पूजा अर्चना की गई। नवरात्रि पर्व के समापन से बीती रात से ही माता की प्रतिमाओं को तुलसी सरोवर पर प्रशासन द्वारा बनाए गए विर्सजन कुण्ड पर विसर्जित करते हुए देखा गया। इस दौरान प्रशासन का अमला और एसडीआरएफ की टीम पूरे समय तुलसी सरोवर के विसर्जन कुण्ड पर तैनात रही। अशोकनगर शहर के साथ आसपास के ग्रामीण अंचलों से भी प्रतिमाओं को यहां विसर्जन के लिए लाया गया था गांव के लोग शहर में प्रतिमाएं विसर्जन के आ रहे है वहीं शहर के लोग गांव में माता की प्रतिमाओं को विसर्जन करने जा रहे हैं।

पहले एक साथ चल समारोह निकलते थे अब अलग-अलग झांकिया निकलीं

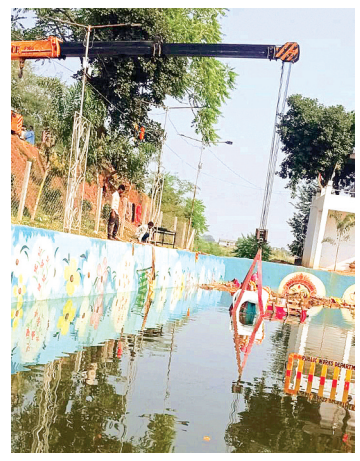



शहर में पहले रात्रि में दुर्गा विसर्जन चल समारोह के रूप में सभी झांकियों को एक साथ निकाला जाता था तब पूरे शहर में एक बड़ा उत्सव नजर आता था। शहर में जगह जगह मण्डारें के आयोजन होते थे और पूरी रात लोग इस चल समारोह में शामिल होकर इसे एक नया रूप प्रदान करते थे। चल समारोह में हर झांकी के साथ आयोजक कोई ने कोई कार्यक्रम सांस्कृतिक रूप से करते हुए चलते थे। सुबह 9 बजे तक सारी प्रतिमाओं को विसर्जन हो जाता था। लेकिन अब यह आयोजन पहले जैसा नहीं होता प्रतिमाएं विसर्जन के लिए तो ले जाई जाती हैं लेकिन पहले जैसी एकरूपता नजर नहीं आती। हर झांकी आयोजन अपनी अपनी सुविधा के अनुसार प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए ले जाते हुए देखा गया। किसी को रात में प्रतिमा विसर्जन के लिए देखा गया। शहर में माता की प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए ले जाने के दौरान सड़कों पर महिलाओं, बच्चों और युवाओं को गाजे बाजे और डीजे बेण्ड के नांचते गाते हुए देखा गया। तरह तरह की गुलाल सड़क पर उडती रहीं। इन प्रतिमाओं में कई छोटे आकार की थीं तो कई बड़े आकार की थीं। जिंद बाबा समिति की झांकी में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं और माता को विदाई देने पहुंची। मुल्लाखेडी तालाब पर माता का विसर्जन किया गया।

कई सालों से हो रहा है भंडारों का आयोजन

अशोकनगर शहर में दशहरा उत्सव देखने के बाद श्रद्धालु रामलीला में पहुंचते हैं उसके बाद झांकियों के विसर्जन कार्यक्रम में भाग लेते हैं। इन ग्रामीण अंचलों से आने वाले और शहर की पिछड़ी वस्तुओं में निवास करने वाले नागरिकों के साथ शहरी लोगों को भी कई वर्षों से मण्डारें का आयोजन किया जा रहा है। रिंकू रघुवंशी ठेकेदार द्वारा इस वर्ष भी भंडारे का आयोजन किया गया और प्रसादी प्रदान की गई।

माता के जेवरों की नीलामी हुई

जिंद बाबा समिति की झांकी में देवी मां को 60 लाख के आभूषण पहनाए गए थे। इन आभूषणों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन द्वारा सुरक्षा गार्ड भी लगाए गए थे जो नवरात्रि पर्व के 9 दिनों तक इन जेवरों की सुरक्षा करते रहे। विसर्जन से पहले माता के जेवरों की नीलामी की गई। जिसमें से 40 लाख के जेवरों की नीलामी हो चुकी है। श्रद्धालु इन्हे नीलामी से अपने घर ले गए। झांकी संयोजक महेन्द्र भारद्वाज ने बताया कि शेष जेवरों की नीलामी और की जाएगी।

चंदेरी से निवेशकों का होता मोहभंग!

टीएंडसीपी व वन विभाग की एनओसी बन रही अड़चन

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर

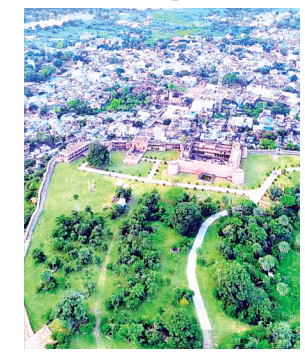

चंदेरी विकास योजना 2001 अभी लागू है इस विकास योजना का पुनर्विलोकन आज तक न हो पाने के कारण, चंदेरी पर्यटन नगरी में जो निवेशक अपनी सर्विस इंडस्ट्री के तहत होटल, रिसोर्ट एवं अन्य आमोद प्रमोद के संस्थान स्थापित करना चाहते हैं, उन्हें नगर तथा ग्राम निवेश विभाग मध्यप्रदेश एवं वन विभाग मध्यप्रदेश की अनापत्तियां न मिलने के कारण, वह सभी अपनी निवेश कार्य योजना को मूर्त रूप नहीं दे पा रहे हैं जिससे चंदेरी के पर्यटन विकास में जबरदस्त अवरोध उत्पन्न हो रहा है।

इस अवरोध को हटाने के लिए क्षेत्रीय सांसद एवं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया तथा मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से गुहार लगाई गई है ताकि जो प रे शा नि यां अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने में आ रही है उनका निराकरण हो सके और चंदेरी पर्यटन नगरी में विभिन्न निवेशक आकर अपने संस्थान स्थापित कर सकें। संचालनालय नगर तथा ग्राम निवेश मध्यप्रदेश द्वारा वर्ष 2017 में चंदेरी विकास योजना प्रारूप 2031 जारी किया गया था जिसे तत्कालीन आयुक्त सह-संचालक नगर तथा ग्राम निवेश मध्यप्रदेश भोपाल संदीप यादव के हस्ताक्षर से जारी किया गया था और इस विकास योजना के लिए बहुमूल्य एवं सृजनशील सुझाव आमंत्रित किए गए थे, जिस पर ततसमय नगर पालिका परिषद चंदेरी एवं स्थानीय प्रशासन द्वारा सुझाव आदि आमंत्रित किए गए थे जिस पर जन सामान्य ने विभिन्न सुझाव प्रस्तुत भी किए थे। परंतु चंदेरी विकास योजना प्रारूप 2031 को आज दिनांक तक अधिसूचित नहीं किया गया है, वर्ष 2001 की विकास योजना प्रावधानित है जिसे 25 वर्ष हो चुके हैं इसमें कोई भी संशोधन नहीं किया गया है, जिस कारण विभिन्न परेशानियां चंदेरी के समग्र विकास में आ रही हैं।

चंदेरी विकास योजना 2001 का अभी तक नहीं हुआ पुनर्विलोकन

चंदेरी विकास योजना प्रारूप 2031 में निवेश क्षेत्र प्रावधानित किया गया था परंतु इस निवेश क्षेत्र में स्पष्ट अनुशंसाएं नहीं की गई है, और यह अधिसूचित भी नहीं है, जिसके कारण निवेशकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी विकास योजना प्रारूप में वाणिज्यिक गतिविधियों के लिए 41.2187 हेक्टेयर प्रस्तावित किया गया है, तथा औद्योगिक क्षेत्र के लिए 77.879 हेक्टेयर भूमि का प्रावधान किया गया है परंतु इन दोनों ही प्रावधानों का स्पष्ट लेखा जोखा तथा अनापत्तियों को प्राप्त करने के लिए इस प्रारूप में कोई उल्लेख नहीं है और न यह प्रारूप आज दिनांक तक अधिसूचित किया गया है जिस कारण और निवेशकों में असमंजस की स्थिति है और वह निवेश करने से कतरा रहे हैं।

तत्कालीन कलेक्टर आदित्य सिंह लिख चुके हैं पत्र

अशोकनगर जिले के तत्कालीन कलेक्टर आदित्य सिंह के द्वारा आयुक्त सह-संचालक नगर तथा ग्राम निवेश मध्यप्रदेश शासन भोपाल को दिनांक 25.7.2025 में पत्र क्रमांक 343 लिखकर यह स्पष्ट किया था कि, चंदेरी की विकास योजना प्रारूप जो 2001 में तैयार किया गया था और जिसका अभी तक संशोधित प्रारूप अधिसूचित नहीं हुआ है, जिस कारण चंदेरी विकास योजना 2001 में अधिकांश क्षेत्र का भूमि उपयोग कृषि वनक्षेत्र प्रस्तावित है एवं कृषि उपयोग में किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य स्वीकृत नहीं है जिस कारण भूमि आवंटन एवं शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में समस्या उत्पन्न हो रही है,अतः चंदेरी विकास योजना 2001 का पुनर्विलोकन कर नवीन विकास योजना प्रस्तावित करने हेतु आग्रह किया गया था परंतु अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

31.7.2026 को कलेक्टर अशोकनगर कार्यालय द्वारा संयुक्त कलेक्टर के हस्ताक्षर से पत्र क्रमांक 915 जारी कर चंदेरी तहसील के ग्राम सिंहपुर लाल की भूमियों के सीमांकन तथा सीमा लाइन निर्धारण करने के लिए एक 10 सदस्य कमेटी का गठन किया गया था जिसमें अनुविभागीय अधिकारी राजस्व चंदेरी के साथ अनुविभागीय अधिकारी वन विभाग तथा तहसीलदार चन्देरी, वन परिक्षेत्र अधिकारी चंदेरी एवं राजस्व निरीक्षक,पटवारी आदि शामिल किए गए थे जिनको अपनी रिपोर्ट सात दिवस के अंदर कलेक्टर अशोक नगर को प्रस्तुत करना थी परंतु इस कमेटी द्वारा भी अभी तक कोई स्पष्ट अनुशंसाएं कलेक्टर अशोकनगर को प्रस्तुत नहीं की गई है।

इनका कहना है

चंदेरी क्षेत्र में नगर तथा ग्राम निवेश विभाग जिला गुना द्वारा पूर्व में दो या तीन अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी किए गए है में फाइल देखकर उन के नाम बता पाऊंगा फिर भी यदि किसी को कोई समस्या उत्पन्न हो रही है तो मुझ से बात करें में उनकी शंका का समाधान करूंगा।

सावन कोचले, सहायक संचालक नगर तथा ग्राम निवेश जिला गुना।

हमें नगर तथा ग्राम निवेश से अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी नहीं किया गया है अनन्ता ग्रुप के प्रोजेक्ट को भी वन विभाग तथा राजस्व विभाग से स्वीकृति नहीं मिली है संयुक्त सीमांकन के बाद ग्रीन लाइन को लेकर समस्या अभी भी बनी हुई है कलेक्टर जिला अशोकनगर द्वारा संयुक्त दल का गठन किया गया है किंतु समस्या अभी भी जस की तस बनी हुई है।

नीरज कांसल, व्यवसायी जिला अशोकनगर।

जिले में अलग-अलग घटनाओं में कई युवकों की मौत

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच की शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर



जिले में अलग अलग घटनाओं में 3 लोगों की मौत हो गई, पुलिस ने तीनों घटनाओं में मर्ग के मामले दर्ज किए हैं मामले की जांच की जा रही हैं। पहली घटना शहर की बुद्धबिहार कॉलोनी में हुई यहां 25 वर्षीय युवक का शव घर से स्कूल के पास संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है, मृतक के शरीर पर खरोंच और घिसटने के निशान हैं, मृतक की पहचान सौरभ पुत्र महेश अहिरवार के रूप में की गई है। घर के लोगों का कहना है कि सौरभ रात के 9.30 बजे घर से बाहर निकला था उसके बाद उसका शव पड़ा पाया गया। पुलिस मामल की जांच कर रही है। दूसरी घटना अशोकगर शहर के मातामढ़ मोहल्ला की है इस घटना में मकान का निर्माण करने के दौरान करंट लगने से 32 वर्षीय मजदूर सुरेश पुत्र कल्लू की मौत हो गई। जिस मकान पर मृतक काम कर रहा था, उसके ऊपर से 33केव्ही बिजली की लाइन गुजर रही थी। हादसे के बाद युवक को जिला अस्पताल में उपचार के लिए ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। वुधवार को मृतक का पोस्टमार्टम किया गया। तीसरी घटना शहर के माता मंदिर के समीप से निकली रेल लाईन पर हुई, यहां एक युवक का शव बरामद किया गया है। मृतक की पहचान सोनू अहिरवार, पुत्र जगन्नाथ अहिरवार के रूप में की गई है वह शंकर कॉलोनी का निवासी था। घटना के दौरान मृतक का शव दो टुकड़ों में बट गया था, यहां यह भी बताया जा रहा है कि पारिवारिक कलह के चलते उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने मर्ग का मामला दर्ज किया है मामले की जांच की जा रही है।

दिल्ली दरवाजा से लक्ष्मण मंदिर मार्ग पर नपा के टेंडर से लगी रेलिंग में घटिया निर्माण का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ चंदेरी



जगह-जगह आने लगी पिलरो में दरार

नगर पालिका परिषद चंदेरी द्वारा शहर के विकास और सौंदर्यकरण के लिए विभिन्न विकास कार्य कराए जा रहे हैं,लेकिन जिम्मेदारों की अनदेखी के चलते कई निर्माण कार्य गुणवत्ता के पैमाने पर खरे नहीं उतर रहे हैं। ऐसा ही एक मामला दिल्ली दरवाजा चैराहे से लक्ष्मण मंदिर तक जाने वाले मार्ग पर सामने आया है,जहाँ लाखों रुपये की लागत से लगाई गई रेलिंग और उसके नीचे बनाए गए सीमेंट पिलर्स की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

सीमेंट की जगह थ्रेसर की डस्ट का बेजा इस्तेमाल जानकारी के अनुसार, नगर पालिका के टेंडर के माध्यम से एक ठेकेदार द्वारा उक्त मार्ग के दोनों ओर रेलिंग लगवाई गई है। रेलिंग को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से जमीन पर सीमेंट के पिलर तैयार किए गए थे। आरोप है कि इन पिलर्स के निर्माण में तय मानकों और गुणवत्ता का बिल्कुल भी ध्यान नहीं रखा गया। निर्माण कार्य में सीमेंट की मात्रा नाममात्र की और सबसे अधिक थ्रेसर की डस्ट का उपयोग किया गया है, ताकि केवल रंगत से सीमेंट की अधिकता दिखाई दे सके।

घटिया सामग्री के उपयोग का नतीजा यह है कि निर्माण कार्य पूरा होने से पहले ही पिलर जगह-जगह से क्षतिग्रस्त और जर्जर होने दरार आने लगी हैं। पिलर्स में अपेक्षित मजबूती और टिकाऊपन का पूरी तरह अभाव है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि यही हाल रहा तो कुछ ही दिनों में यह रेलिंग और पिलर पूरी तरह उखड़ कर धराशायी हो जाएंगे। निर्माण कार्य में केवल पिलर्स ही नहीं, बल्कि लगाई गई रेलिंग की फिटिंग में भी भारी लापरवाही बरती गई है। ठेकेदार द्वारा रेलिंग को सीधी और व्यवस्थित लगाने के बजाय टेढ़ा-मेढ़ा अड़ा-तिरछा लगा दिया गया है, जिससे पूरे मार्ग पर सुंदरता के बजाय बदरंग तस्वीर नजर आ रही है और कार्य में साफ-सुथरापन पूरी तरह गायब है। जिम्मेदार अधिकारी का पक्ष इस पूरे मामले को लेकर जब नगर पालिका के प्रभारी इंजीनियर कपिल रघुवंशी से फोन पर चर्चा की, तो उनके द्वारा मामले से अनभिज्ञता जताते हुए कहा गया। आपके द्वारा यह मामला मेरे संज्ञान में लाया गया है, मैं इसे दिखवाता हूँ और उचित कार्रवाई की जाएगी।

राम के राज्याभिषेक पर खुशियां मनाई गईं, कलाकारों को पुरस्कार किए गए प्रदान

रामलीला में राम के तरकस से निकले तीर ने रावण का किया वध

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर





श्री गया प्रसाद कलाकार मंडल द्वारा की जा रही रामलीला के अंतिम दिन रावण वध का मंचन दिखाया गया। जहां राम के तरकस से निकले तीर ने रावण का अंत कर दिया। इस मौके पर राम के राज्याभिषेक का सुंदर मंचन दिखाया गया। आयोध्या में खुशियां मनाई गईं। राम के राज्याभिषेक के साथ पुरूस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विधायक हरीबाबू राय, एवं उनके साथियों द्वारा रामायणजी और राम लक्ष्मण की आरती की गई और राम के राज्याभिषेक के बाद कलाकारों को सम्मान स्वरूप पुरूस्कार प्रदान किए।

राम-रावण के भीषण युद्ध के बाद हुआ रावण वध

अंतिम दिन की लीला में सर्वप्रथम रावण को अपने पुत्र अहिरावण की मृत्यु का समाचार मिलता है। पुत्र की मृत्यु से दुखी रावण स्वयं युद्धभूमि में जाने का निर्णय लेता है। इसके बाद भगवान श्रीराम और रावण के बीच भीषण युद्ध होता है। भगवान श्रीराम बार-बार रावण पर प्रहार करते हैं, लेकिन रावण का अंत नहीं होता। तब विभीषण भगवान श्रीराम को बताते हैं कि रावण की नाभि में अमृत है। इसके बाद भगवान श्रीराम रावण की नाभि पर बाण चलाकर अमृत को सुखा देते हैं और रावण का वध कर देते हैं। रावण के अंतिम समय का दृश्य दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। भगवान श्रीराम लक्ष्मण जी को रावण से ज्ञान प्राप्त करने के लिए उसके पास भेजते हैं। रावण लक्ष्मण जी को जीवन की महत्वपूर्ण सीख देते हुए कहता है कि अच्छे कार्य को जितना जल्दी हो सके, उतनी जल्दी कर लेना चाहिए और बुरे कार्य को जितना संभव हो, उतना टालना चाहिए। इस संदेश के साथ रावण भगवान श्रीराम का स्मरण करते हुए अपने प्राण त्याग देता है।

रावण वध के पश्चात भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक की भव्य लीला का मंचन किया गया। इस दौरान भगवान श्रीराम का राजतिलक हुआ, जिसमें उपस्थित अतिथियों ने भाग लिया। राज्याभिषेक के दृश्य ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसके पश्चात लगातार 15 दिनों तक रामलीला में विभिन्न पात्रों का अभिनय करने वाले कलाकारों को सम्मानित कर पुरस्कृत किया गया। विधायक हरिबाबू राय एवं जितेंद्र कोठारी की ओर से कलाकारों को पुरस्कार वितरित किए गए। वहीं अतिथि के रूप में अशोकनगर एसडीओपी एवं अशोकनगर टीआई भी उपस्थित रहे। श्री गया प्रसाद कलाकार मंडल के अध्यक्ष राव यादवेंद्र सिंह यादव, सत्येंद्र शीतल कलावत, सुधीर शर्मा एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा सभी को पुरस्कार वितरण किया गया। पुरस्कार वितरण के साथ ही श्री गया प्रसाद कलाकार मंडल की 15 दिवसीय रामलीला का विधिवत समापन हुआ।

इन कलाकारों ने निभाईं प्रमुख भूमिकाएं

रामलीला में भगवान श्रीराम की भूमिका आर्यन शर्मा, लक्ष्मण की सुमित श्रीवास्तव, सीता की अभिषेक शर्मा, हनुमान जी की सत्येंद्र रघुवंशी, रावण की प्रदीप चैधरी, सुग्रीव की शिव कुमार शर्मा, अंगद की रामकुमार, विभीषण की वीर सिंह जाट तथा जामवंत की भूमिका सतीश शर्मा ने निभाई। वानर सेना के पात्रों में धैर्य शर्मा, वेदांत शर्मा, कनिष्का शर्मा एवं आदित्य शर्मा ने अभिनय किया। कथा वाचन एवं सुंदर चैपाइयों का गायन कथावाचक चंद्रमोहन मिश्रा ने अपने मुखारविंद से किया। संगीत पक्ष में राकेश पाठक ने मधुर संगीत प्रस्तुत किया, जबकि तबले पर लाला पटेल ने संगत दी। संगीत निर्देशन कैलाश श्रीवास्तव एवं उपेंद्र पाराशर द्वारा किया गया। वहीं, नृत्य की प्रस्तुतियां रुमाल सिंह चंदेल, अमित चंदेल, निक्की सिंघई, आलोक शर्मा, संजू एवं उनके साथियों द्वारा दी गईं। मंच पर आकर्षक दृश्य तैयार करने की जिम्मेदारी सीनरी डायरेक्टर श्रीनारायण बोहरे एवं शिवनारायण ओझा ने संभाली। वहीं, कलाकारों का मेकअप मेकअप डायरेक्टर मुकेश सोनी, अभिषेक शर्मा एवं सौरभ सिंघई द्वारा किया गया।

समिति पदाधिकारियों ने संभाली व्यवस्थाएं

कार्यक्रम के दौरान रामलीला समिति के उपाध्यक्ष प्रमोद जैन ने अतिथियों का अभिवादन किया। समिति के सचिव रजनीश सिंघई ने कार्यक्रम का संचालन किया, जबकि निर्देशक निक्की सिंघई ने मंच व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाली। समिति के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने आयोजन की व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित किया।

पुराने दशहरा मैदान के संरक्षण के लिए मंत्री टेटवाल ने 30 लाख देने की घोषणा की

विजयादशमी पर बारिश के बीच रावण का दहन, आतिशबाजी से गूंजा नगर





हरिभूमि न्यूज ▶▶ सारंगपुर

अखाड़ा प्रदर्शन के साथ निकला भव्य चल समारोह

विजयादशमी के अवसर पर मंगलवार को नगर में बारिश के बीच दो स्थानों पर रावण दहन किया गया। बस स्टैंड स्थित नए दशहरा मैदान में 65 फीट और पुराने दशहरा मैदान में 35 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन हुआ। भव्य चल समारोह, अखाड़ों के प्रदर्शन और रंगारंग आतिशबाजी ने आयोजन को आकर्षक बना दिया। बारिश के बावजूद रावण दहन देखने के लिए बड़ी संख्या में नगरवासी पहुंचे। आतिशबाजी से आसमान रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा और पूरा नगर जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। इस दौरान पुराने दशहरा मैदान के संरक्षण के लिए राज्यमंत्री डॉ. गौतम टेटवाल ने 30 लाख रुपए देने की घोषणा की। वहीं, नगर पालिका अध्यक्ष पंकज पालीवाल ने भी संरक्षण कार्य में सहयोग का आश्वासन दिया।

हिंदू उत्सव समिति के नेतृत्व में शाम 4 बजे पटवावाड़ी स्थित अंबे माता मंदिर में पूजा-अर्चना और आरती के बाद चल समारोह प्रारंभ हुआ। भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और हनुमानजी रथ पर विराजित होकर नगर भ्रमण पर निकले। ढोल की थाप, धार्मिक जयकारों और अखाड़ों के रोमांचक प्रदर्शन ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। चल समारोह में जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। अंबे माता चैक से शुरू हुआ चल समारोह नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए पुराने दशहरा मैदान पहुंचा। कार्यक्रम में एसडीएम जय सोलंकी, एसडीओपी महेश सुनैया, थाना प्रभारी राहुल रघुवंशी सहित जनप्रतिनिधि, समिति के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में नगरवासी मौजूद रहे।

नप व हिउस के संयुक्त आयोजन में हुआ रावण दहन

कुरावर। असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक विजयादशमी पर्व के अवसर पर नगर परिषद कुरावर एवं हिंदू उत्सव समिति के तत्वावधान में नगर में भव्य रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रावण दहन स्थल बरेजा पर उत्सव जैसा माहौल रहा। रावण दहन देखने के लिए नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। इनमें महिलाएं, बच्चे और युवा भी शामिल रहे।



कार्यक्रम के दौरान धार्मिक उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला। आयोजन स्थल पर रावण दहन देखने के लिए लोगों की भीड़ जुटी रही। सभी को रावण दहन के उस क्षण का इंतजार था, जो बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश देता है।

रावण दहन कार्यक्रम से पहले आयोजित रामलीला का समापन हुआ। रामलीला के माध्यम से भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों और अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश प्रस्तुत किया गया। रामलीला समाप्त होने के बाद आयोजन स्थल पर आकर्षक आतिशबाजी की गई।

परंपरा अनुसार रामलीला परिसर से राम सवारी आती है

नगर परिषद की बड़ी लापरवाही, राम जी की सवारी आने से पहले ही जल गया रावण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जीरापुर

नगर के दशहरा मैदान में नगर परिषद की बड़ी लापरवाही सामने आई। यहां भगवान राम की सवारी पहुंचने से पहले ही 51 फीट का रावण धू-धू कर जल उठा, जिससे दशहरा मैदान मैदान मे हड़कंप मच गया। उल्लेखनीय है कि हर वर्ष परम्परा अनुसार रामलीला परिसर से राम सवारी तथा भगवान के विमान भव्य राम सवारी के रूप में दशहरा मैदान पहुंचते हैं जहां पर आतिशबाजी के साथ भगवान राम रावण के पुतले पर तीर चलाकर दहन करते हैं।लेकिन आश्चर्य जब हुआ कि लाखों रुपए खर्च कर बनाए गए इस विशाल पुतले को नगर परिषद की अव्यवस्थाओं का शिकार होना पड़ा।

दरअसल जन चर्चा का विषय बना रहा की परिषद ने आतिशबाजी की व्यवस्था रावण के नजदीक में कर रखी थी। इसी बीच एक चिंगारी उठी और देखते ही देखते पूरा पुतला स्वाहा हो गया।मौके पर हजारों की भीड़ मौजूद थी। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी के हाथों में मोबाइल थे, जो इस ऐतिहासिक पल को कैद कर रहे थे।



लेकिन आंखों के सामने रावण जलता देख लोगों का सारा जोश ठंडा पड़ गया। भीड़ में मायूसी छा गई और हर तरफ अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

'सवालों के घेरे में नगर परिषद'

- सुरक्षा का होमवर्क क्यों नहीं किया गया
- आतिशबाजी रावण से दूर क्यों नहीं लगाई गई
- हजारों की भीड़ में फायर सेफ्टी के क्या इंतजाम थे

किरकिरी के बाद जागी परिषद, आनन-फानन में बनाया दूसरा पुतला

जमकर किरकिरी होने के बाद नगर परिषद ने तत्काल फ्लेक्स पर रावण का सिर तथा कपड़े तथा घास पुस्टे से आनन-फानन में दूसरा पुतला खड़ा किया गया। इसके बाद जैसे ही भगवान राम की सवारी मंच पर पहुंची, एक ही बाण से रावण का वध किया गया। जहां पर लगभग सात बजकर पैंतालीस मिनट पर रावण दहन हुआ और जय श्री राम के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा।

वर्षों पुराना बरगद का पेड़ गिरा, कोलूभेरू मंदिर क्षतिग्रस्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ब्यावरा

शहर के सुठालिया बायपास के आगे स्टेट हाईवे पर स्थित कोलूभेरू मंदिर के समीप लगे वर्षों पुराना बरगद का पेड़ मंगलवार रात्रि में आए आंधी तुफान बारिष के चलते धराषाही हो गया है। पेड़ के गिर जाने से पास में बने कोलूभेरू महाराज का मंदिर भी क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं पेड़ की लंबाई अधिक होने के कारण रोड का आवागमण भी बंद हो गया। बुधवार सुबह नगर पालिका की टीम ने पहुंचकर पेड़ की कटाई-छटाई कर रोड से हटाया गया, तब कही फिर से सुगम आवागमण चालू हो पाया।



विजयादशमी पर दशहरा मैदान में 51 फीट रावण के पुतले का किया दहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खुजनेर



नगर में मंगलवार को विजयादशमी का पर्व उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। हाट-बाजार स्थित नए दशहरा मैदान में 51 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। रावण दहन देखने के लिए बड़ी संख्या में नगरवासी मैदान में पहुंचे। वहीं, शहर के विभिन्न मोहल्लों में बच्चों ने भी रावण के पुतले बनाकर दहन किया और आतिशबाजी के साथ विजयादशमी का पर्व मनाया। दशहरा मैदान में भगवान श्रीराम के विमान के पहुंचने और रावण दहन की निर्धारित रस्म पूरी होने से पहले ही आतिशबाजी के दौरान रावण के पुतले में आग लग गई। परंपरा के अनुसार, श्री चरणदास मंदिर से भगवान श्रीराम का विमान चल समारोह के रूप में निकाला गया। चल समारोह शिवाजी बाजार और राजगढ़ चैराहे से होते हुए नए दशहरा मैदान की ओर रवाना हुआ। इसी दौरान दशहरा मैदान में भगवान श्रीराम के विमान के पहुंचने और रावण दहन की निर्धारित रस्म पूरी होने से पहले ही आतिशबाजी के दौरान रावण के पुतले में आग लग गई। देखते ही देखते 51 फीट ऊंचा रावण धू-धू कर जलने लगा और महज दो मिनट में जलकर राख हो गया। अचानक हुई इस घटना के चलते रावण दहन का पारंपरिक क्रम प्रभावित हुआ।

असत्य पर सत्य की जीत, बुराई रूपी रावण का दहन

विजयादशमी पर भगवान रघुनाथजी का निकाला चल समारोह, अखाड़ों के कलाकारों ने दिखाए करतब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नरसिंहगढ़

नगर में मंगलवार को विजयादशमी का पर्व पारंपरिक उल्लास और धार्मिक आस्था के साथ मनाया गया। मेले वाले बाग स्थित दशहरा मैदान में भगवान रघुनाथजी के बाण का स्पर्श कराकर रावण दहन किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया।

विजयादशमी पर दोपहर 3 बजे रघुनाथजी मंदिर से सलामी की परंपरा के साथ भगवान रघुनाथजी का चल समारोह शुरू हुआ। नगर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ चल समारोह दशहरा मैदान पहुंचा। रास्ते में जगह-जगह अखाड़ों के कलाकारों ने अपने करतबों का प्रदर्शन किया। इसके बाद



दशहरा मैदान में भगवान रघुनाथजी के बाण का स्पर्श कराकर रावण दहन किया गया। पूजन-आरती के बाद गर्भगृह में विराजित की प्रतिमाएं रावण दहन के बाद भगवान रघुनाथजी का विमान वापस मंदिर पहुंचा। यहां पूजा-अर्चना और आरती के बाद देव प्रतिमाओं को पुनः गर्भगृह में विराजित किया गया। इसके बाद नगर में दशहरा मिलन का सिलसिला शुरू हुआ, जो देर रात तक चलता रहा।

लोगों ने एक-दूसरे के घर पहुंचकर दशहरा मिलन किया और पर्व की शुभकामनाएं दीं। समिति सहित प्रशासन का रहा सहयोग आयोजन में हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष एवं विधायक मोहन शर्मा सहित नगर पालिका, पुलिस-प्रशासन तथा विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संगठनों का सहयोग रहा।

संजय टाइगर रिजर्व में भारतीय गौरों के सामाजिक व्यवहार पर किया शोध

भास्कर भंडारी अमेरिका के न्यूयॉर्क में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'बेस्ट टॉक' पुरस्कार से सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सारंगपुर

मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के सुल्तानिया गांव निवासी भास्कर भंडारी ने अमेरिका में अपनी प्रतिभा का परचम लहराते हुए देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्हें न्यूयॉर्क में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संरक्षण विज्ञान छात्र सम्मेलन में 'बेस्ट टॉक' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनकी इस उपलब्धि से सुल्तानिया गांव सहित पूरे जिले में खुशी का माहौल है। भास्कर भंडारी ने न्यूयॉर्क स्थित अमेरिकन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री में आयोजित सम्मेलन में मध्यप्रदेश के संजय टाइगर रिजर्व में पुनर्स्थापित भारतीय गौरों के सामाजिक व्यवहार पर अपना शोध प्रस्तुत किया। उनकी शोध प्रस्तुति को उत्कृष्ट माना गया, जिसके लिए उन्हें 'बेस्ट टॉक' पुरस्कार प्रदान किया गया।



प्रकृति के प्रति प्रेम ने दिलाई सफलता

भास्कर बचपन से ही प्रकृति को करीब से समझने और जानने के जिज्ञासु रहे हैं। पशु-पक्षियों और वनस्पतियों के प्रति उनका विशेष लगाव रहा है। प्रकृति और वन्यजीवों के प्रति इसी रुचि ने उन्हें शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और आज वे अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। भास्कर के पिता सेवानिवृत्त पशु चिकित्सक हैं और पशुपालन से भी जुड़े रहे हैं। परिवार में पशुओं के प्रति लगाव और प्रकृति से जुड़ाव ने भी उनके जीवन को प्रभावित किया है। भास्कर की इस अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि से सुल्तानिया गांव का गौरव बढ़ा है। उनकी सफलता पर ग्रामीणों और शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन चल समारोह के दौरान हुआ विवाद गहराया

10 वर्षीय बालक घायल, पुलिसकर्मी लाइन अटैच, समिति ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरावर

नगर में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन चल समारोह के दौरान हुआ विवाद अब तूल पकड़ने लगा है। विसर्जन जुलूस में डीजे वाहन की चपेट में आने से 10 वर्षीय बालक घायल हो गया, वहीं दुर्गा उत्सव समिति के सदस्यों ने नरसिंहगढ़ पहुंचकर मंगलवार को विधायक मोहन शर्मा से इस घटना की जानकारी दी थी जिस पर विधायक मोहन शर्मा ने नाराजगी जताई थी बाद में उन्हीं के हस्तक्षेप से पुलिसकर्मियों पर मारपीट, अभद्र व्यवहार और डीजे में तोड़फोड़ के आरोप भी सामने आए हैं। बालक के पैर में चोट लगने के तीन दिन बाद दर्द और सूजन बढ़ने पर परिजनों ने कुरावर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।



दूसरी ओर, वार्ड क्रमांक 13 की जय मां कामेश्वरी दुर्गा उत्सव समिति ने भी पुलिसकर्मियों के खिलाफ लिखित आवेदन सौंपकर निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है। डीजे चालक के साथ कथित मारपीट के मामले में पुलिसकर्मी बलराम परमार को लाइन अटैच किए जाने की जानकारी भी सामने आई है। दोनों पक्षों की शिकायतों के



बाद अब पूरे घटनाक्रम की जांच और पुलिस की भूमिका को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

पुलिस को दिए आवेदन अनुसार, लसूलिया रामनाथ निवासी कैलाश मालवीय (38) ने बताया कि उनका 10 वर्षीय भतीजा राज मालवीय अपनी मां गीता बाई के साथ 20 अक्टूबर की सुबह कुरावर में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन जुलूस देखने आया था। इसी दौरान डीजे वाहन का अगला पहिया उसके पैर पर चढ़ गया। इससे बालक के पैर में चोट आई और खून निकलने लगा।मौके पर मौजूद एक पुलिसकर्मी ने मोटरसाइकिल सवार की मदद से बालक को शासकीय अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका प्राथमिक उपचार किया गया।

इनका कहना है

मामले मेंएक पुलिसकर्मी को लाइन अटैच किया गया है। डीजे की लापरवाही से एक बालक को चोट पहुंचने का मामला भी सामने आया है, जिसके परिजनों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। समिति के सदस्यों ने भी ज्ञापन सौंपा है। पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।
-जितेंद्र मवई, पुलिस थाना प्रभारी कुरावर

आरामशीनों तक पहुंचाई जा रही लकड़ी

उड़न दस्ते की कार्रवाई के बाद भी नही थम रहा अवैध लकड़ी परिवहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ माचलपुर

क्षेत्र में लकड़ी के कथित अवैध परिवहन का मामला वन विभाग की कार्रवाई के बाद भी सवालों के घेरे में है। आरोप है कि क्षेत्र में संचालित कुछ आरामशीनों तक बबूल की लकड़ी की आड़ में अन्य प्रतिबंधित प्रजातियों की लकड़ियों का परिवहन किया जा रहा है। कथित तौर पर दिन-रात जारी इस परिवहन में लकड़ी की प्रजातियों और आवश्यक दस्तावेजों की जांच को लेकर सवाल उठ रहे हैं। बताया जा रहा है कि वन विभाग के उड़न दस्ते की कार्रवाई के बावजूद लकड़ी के परिवहन पर पूरी तरह रोक लगने की स्थिति स्पष्ट नहीं है। ऐसे में कार्रवाई के बाद भी यदि परिवहन जारी है, तो



इसकी निगरानी किस स्तर पर की जा रही है? क्या लकड़ी से लदे वाहनों के दस्तावेजों की नियमित जांच हो रही है और आरामशीनों तक पहुंचने वाली लकड़ी के स्रोत का सत्यापन किया जा रहा है?

बबूल की आड़ में दूसरी लकड़ियों के परिवहन -क्षेत्र में बबूल की लकड़ी के साथ अन्य प्रतिबंधित प्रजातियों की लकड़ियां लाए जाने की चर्चा है। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि के लिए लकड़ी की प्रजातियों, परिवहन अनुमति और संबंधित आरामशीनों के अभिलेखों की जांच जरूरी है। यदि बिना वैध अनुमति प्रतिबंधित लकड़ियों का परिवहन किया जा रहा है, तो यह वन नियमों के उल्लंघन का मामला हो सकता है। ऐसे में संबंधित वाहनों और लकड़ी के भंडारण की जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की जरूरत है।

रेंजर बोले- लगातार कर रहे कार्रवाई, दिन में भी बढ़ाएंगे गश्त

इस संबंध में वन परिक्षेत्र अधिकारी गुलाब प्रसाद अरमा से उनका पक्ष जानने के लिए चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि वन विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है और नियमित गश्त भी की जा रही है। उन्होंने कहा कि विभाग दिन के समय भी गश्त बढ़ाएगा।अब देखना होगा कि गश्त बढ़ाने और कार्रवाई जारी रखने के दावे के बीच लकड़ी के कथित अवैध परिवहन पर कितनी प्रभावी रोक लग पाती है।

कलादेवीने 69 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सारंगपुर



नगर के समाजसेवी दिनेश धनगर की माताजी कलादेवी (69) का लंबी बीमारी के चलते इंदौर के अरविंदो हॉस्पिटल में उपचार के दौरान निधन हो गया। वे पेट में ट्यूमर की बीमारी से पीड़ित थीं और 1 अक्टूबर से उनका उपचार चल रहा था। उनके निधन का समाचार मिलते ही धनगर समाज, रिश्तेदारों और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। कला देवी की अंतिम यात्रा उनके निज निवास सुदर्शन नगर से शाम 5.30 बजे निकाली गई। इस दौरान बड़ी संख्या में रिश्तेदार, समाजजन और नगरवासी अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे। नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी गई।

विजयादशमी पर निकाला पथ संचलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जीरापुर



विजयादशमी के पावन अवसर पर्व पर प्रतिवर्षानुसार की तरह इस वर्ष भी नगर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से विशाल पथ संचलन निकाला गया।पथ संचलन का शुभारंभ स्टेडियम ग्राउंड से हुआ। जहां पर स्वयं सेवक संघ कि अनुशासित विचारधारा के अनुरूप,अनुशासित कदमताल के साथ स्वयंसेवक नगर के प्रमुख मार्गों से निकले।इस दौरान नगरवासियों सहित नगर की सामाजिक धार्मिक एवं सेवाभावी संस्थाओं ने नगर के विभिन्न मार्गों पर पुष्पवर्षा कर पथ संचलन का स्वागत किया। पथ संचलन स्टेडियम ग्राउंड से प्रारंभ होकर इंदर चैराहा, बस स्टैंड, भावसार मोहल्ला, चैपड़ा बाजार, बुधवारिया बाजार, माचलपुर नाका, बिट्टूलेश कॉलोनी एवं खिलचीपुर नाका , आवास कालोनी सहित नगर के प्रमुख मार्गों से होकर स्टेडियम ग्राउंड पहुंचकर संपन्न हुआ।

पथ संचलन के समापन पर स्टेडियम ग्राउंड में संघ की प्रार्थना हुई। इसके पश्चात मध्य भारत प्रांत के सहबौद्धिक प्रमुख प्रमोद सिंह परमार ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए संघ की विचारधारा एवं उसके उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने संघ के विचारों और कार्यपद्धति के संबंध में जानकारी दी।

विजया दशमी पर कदमताल करते निकले स्वयंसेवक

भारत को परम वैभव पर ले जाना हम सभी का दायित्व: चौहान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खुजनेर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से नगर में पथ संचलन निकाला गया। इसमें बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में भाग लिया। पथ संचलन से पहले मेड़तवाल धर्मशाला में स्वयंसेवक एकत्रित हुए। यहां शस्त्र पूजन किया गया तथा मुख्य वक्ता का उद्बोधन हुआ। इसके बाद स्वयंसेवक अनुशासित कदमताल करते हुए नगर के प्रमुख मार्गों से निकले। पथ संचलन शिवाजी मार्केट, न्यू बस स्टैंड, राजगढ़ चैराहा, कुल्मीपुरा मोहल्ला



सहित अन्य मार्गों से होकर गुजरा। नगर में जगह-जगह संचलन को लेकर उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय समरसता प्रमुख लक्ष्मीनारायण चैहान ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत को परम वैभव पर ले जाना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी आचरण और नागरिक कर्तव्यों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज से जाति, वर्ग और क्षेत्र के आधार पर होने वाले भेदभाव को समाप्त कर आपसी सद्भाव को मजबूत करना चाहिए। परिवार में संस्कारों, बड़ों के सम्मान और पारिवारिक मूल्यों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।